Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding privatization of Banks.

श्री रवनीत सिंह: सर, आपको जैसा कि पता है कि तकरीबन 9 पीएसयू बैंक्स हैं, उनके तकरीबन 10 लाख लोग हैं, जो स्ट्राइक पर हैं । इस स्ट्राइक का कारण क्या है? उन्हें बहुत बड़ा डर है कि यहाँ पर बार-बार प्राइवेटाइजेशन की बात हो रही है । उसमें सबसे बड़ा खतरा यह है कि उससे एससी/एसटी, ओबीसी और रूरल इंडिया से गरीब लोग जुड़े हुए हैं । उन्हें अपनी नौकरी का सबसे बड़ा खतरा है । सर, वे 10 लाख लोग हैं । यहाँ पर फाइनेंस मिनिस्टर नहीं हैं । वे गांधी फैमिली के नाम से नाराज हो जाते हैं । इंदिरा गांधी जी ने नेशनलाइजेशन क्यों किया था, क्योंकि ये बैंक्स गांव के नजदीक हो सकें । गांव के किसान, छोटे दुकानदार और छोटे शहरों के पास आ सकें और हर आदमी से ये बैंक्स जुड़ सकें । इनका मकसद यही था ।

अध्यक्ष महोदय, जब वर्ष 2008 में आर्थिक मंदी दुनिया में आई थी तो इन बैंक्स ने हमारे देश को बचाया था । ये बैंक्स वे बैंक्स हैं । मैं ज्यादा न कहते हुए इतना ही कहना चाहता हूँ कि इससे फाइनेंशियल सिक्योरिटी कॉम्प्रोमाइज होगी, वह सबसे बड़ी खतरनाक बात है । हमें 1 लाख 75 हजार करोड़ रुपये का डिसइंवेस्टमेंट करना है ।

सर, क्या प्राइवेट बैंक आम आदमी का सोचेगा? किसी गरीब का सोचेगा? वह तो बड़े-बड़े सरमायेदार का सोचेगा तो फिर गरीब आदमी कहां जाएगा? किसान कहाँ जाएगा? मजदूर कहाँ जाएगा? जब ये बैंक्स प्राइवेट हो जाएंगे तो इनके प्रॉफिट मैकिंग वेन्चर्स रहेंगे । क्या ये कभी सोशल रिफार्म्स की तरफ सोचेंगे? इन्हें तो सिर्फ प्रॉफिट मैकिंग चाहिए । ये बने ही इसलिए थे । हमें घाटा हो रहा है तो होने दो, लेकिन गरीब लोगों को तो फायदा हो रहा है । कोरोना के

दौरान आज पीएसयूज का क्या हाल है? मैं अंत में यही चाहता हूँ कि फाइनेंस मिनिस्टर यहां पर आकर अपना व्यक्तव्य रखें।

अपनी सीधी बात रखें, क्योंकि यह केवल दस लाख लोगों की बात नहीं है, बल्कि ये बैंक देश के हर सिटिजन्स के साथ जुड़े हुए हैं । यहां पर संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हैं, आज दस लाख लोग स्ट्राइक पर हैं, वे इस बात को क्लियर करें । जितनी जल्दी उनसे डायलॉग शुरू करेंगे, उतना अच्छा होगा । …(व्यवधान) सर, कहीं 25 लाख किसान बैठे हैं और अब ये दस लाख लोग बैठे हैं । सरकार जवाब दे । …(व्यवधान) मेरी रिक्वेस्ट है कि सरकार को इम्प्लाइज से बात करनी चाहिए।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री बी. मणिक्कम टैगोर को श्री रवनीत सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, शिक्षा मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा और मतदान के पश्चात्, जिन माननीय सदस्यों का शून्य काल लॉटरी में नाम आया है और माननीय सदस्यों का शून्य काल का कोई विशेष विषय होगा तो मैं उनको अपना विषय उठाने की अनुमति दूंगा । इसलिए आप लोग सदन में देर रात तक उपस्थित रहें ।

-